Pustakmahal Publishers

Hamare Sangeetkar
हमारे संगीतकार

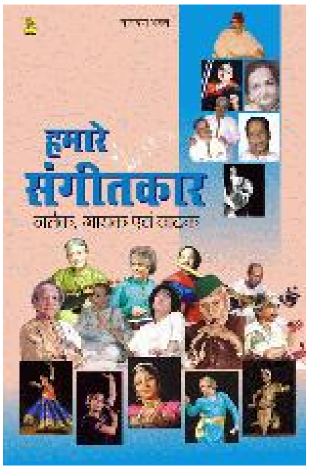

Author: Narayan Bhakth   नारायण भक्त
Format: Paperback
ISBN: 9788122310139
Code: 9409E
Pages: 205
Price: Rs. 96.00   **US$** 4.00

Publisher: Pustak Mahal
Usually ships within **15** days

गीत और वादन को संगीत कहा जाता है। नृत्य और संगीत मानवजीवन में प्राणरस घोलने के उपादान हैं। भारत में नृत्य और संगीत की परंपरा प्राचीन काल से ही अत्यन्त गौरवशाली रही है। यहां के संगीतज्ञों ने मनुष्य को ही नहीं, जड़ एवं जंगम को भी प्रभावित किया है। इसी परम्परा में उन्नीसवीं सदी के शास्त्रीय व लौकिक नर्तक और संगीतकार भी हैं, जिन्होंने अपनी नृत्य व संगीत कला से मनुष्य और जड़ – जंगम भी प्राणरस और भावों का संचार किया है।
प्रस्तुत पुस्तक में ऐसे ही चुने हुए नर्तकों और संगीतकारों में 21 नर्तकों, 26 गायकों और 25 वादकों की विशेषताओं व उपलब्धियों का वर्णन रोचक तथा ज्ञानवर्धक रूप में किया गया है।

About Pustakmahal Publishers

Pustak Mahal publishes an extensive range of books that are both affordable and high-quality.